



0851CH09



नवमः पाठः

सप्तभगिन्यः

[‘सप्तभगिनी’ यह एक उपनाम है। उत्तर-पूर्व के सात राज्य विशेष को उक्त उपाधि दी गयी है। इन राज्यों का प्राकृतिक सौन्दर्य अत्यन्त विलक्षण है। इन्हीं के सांस्कृतिक और सामाजिक वैशिष्ट्य को ध्यान में रखकर प्रस्तुत पाठ का सृजन किया गया है।]

प्रत्ययः

अध्यापिका

- सुप्रभातम्।

छात्रा:

- सुप्रभातम्। सुप्रभातम्।

अध्यापिका

- भवतु। अद्य किं पठनीयम्?

छात्रा:

- वर्यं सर्वे स्वदेशस्य राज्यानां विषये ज्ञातुमिच्छामः।

अध्यापिका

- शोभनम्। वदत। अस्माकं देशे कति राज्यानि सन्ति?

सायरा

- चतुर्विंशतिः महोदये!

सिल्वी

- न हि न हि महाभागे! पञ्चविंशतिः राज्यानि सन्ति।

अध्यापिका

- अन्यः कोऽपि....?

स्वरा

- (मध्ये एव) महोदये! मे भगिनी कथयति यदस्माकं देशे नवविंशतिः राज्यानि सन्ति। एतदतिरिच्य सप्त केन्द्रशासितप्रदेशाः अपि सन्ति।

अध्यापिका

- सम्यग्जानाति ते भगिनी। भवतु, अपि जानीथ यूं यदेतेषु राज्येषु सप्तराज्यानाम् एकः समवायोऽस्ति यः सप्तभगिन्यः इति नामा प्रथितोऽस्ति।

- सर्वे**
- (साश्चर्यम् परस्परं पश्यन्तः) सप्तभगिन्यः? सप्तभगिन्यः?
- निकोलसः:**
- इमानि राज्यानि सप्तभगिन्यः इति किमर्थं कथ्यन्ते?
- अध्यापिका**
- प्रयोगोऽयं प्रतीकात्मको वर्तते। कदाचित् सामाजिक-सांस्कृतिक-परिदृश्यानां साम्याद् इमानि उक्तोपाधिना प्रथितानि।
- समीक्षा**
- कौतूहलं मे न खलु शान्तिं गच्छति, श्रावयतु तावद् यत् कानि तानि राज्यानि?
- अध्यापिका**
- शृणुत!
 - अद्वयं मत्रयं चैव न-त्रि-युक्तं तथा द्वयम्।
सप्तराज्यसमूहोऽयं भगिनीसप्तकं मतम्॥
 - इत्थं भगिनीसप्तके इमानि राज्यानि सन्ति-अरुणाचलप्रदेशः, असमः, मणिपुरम्, मिजोरमः, मेघालयः, नगालैण्डः, त्रिपुरा चेति। यद्यपि क्षेत्रपरिमाणैः इमानि लघूनि वर्तन्ते तथापि गुणगौरवदृष्ट्या बृहत्तराणि प्रतीयन्ते।
- सर्वे**
- कथम्? कथम्?
- अध्यापिका**
- इमाः सप्तभगिन्यः स्वीये प्राचीनेतिहासे प्रायः स्वाधीनाः एव दृष्ट्याः। न केनापि शासकेन इमाः स्वायत्तीकृताः। अनेक-सांस्कृति-विशिष्टायां भारतभूमौ एतासां भगिनीनां संस्कृतिः महत्त्वाधायिनी इति।
- तत्त्वी**
- अयं शब्दः सर्वप्रथमं कदा प्रयुक्तः?
- अध्यापिका**
- श्रुतमधुरशब्दोऽयं सर्वप्रथमं विगतशताब्दस्य द्विसप्ततितमे वर्षे त्रिपुराराज्यस्योदयाटनक्रमे केनापि प्रवर्तितः। अस्मिन्नेव काले एतेषां राज्यानां पुनः सङ्घटनं विहितम्।
- स्वरा**
- अन्यत् किमपि वैशिष्ट्यमस्ति एतेषाम्?

अध्यापिका

- नूनम् अस्ति एव। पर्वत-वृक्ष-पुष्प-प्रभृतिभिः प्राकृतिकसम्पद्दिः सुसमृद्धानि सन्ति इमानि राज्यानि। भारतवृक्षे च पुष्प-स्तबकसदृशानि विराजन्ते एतानि।

राजीवः

- भवति! गृहे यथा सर्वाधिका रम्या मनोरमा च भगिनी भवति तथैव भारतगृहेऽपि सर्वाधिकाः रम्याः इमाः सप्तभगिन्यः सन्ति।

अध्यापिका

- मनस्यागता ते इयं भावना परमकल्याणमयी परं सर्वे न तथा अवगच्छन्ति। अस्तु, अस्ति तावदेतेषां विषये किञ्चिद् वैशिष्ट्यमपि कथनीयम्। सावहितमनसा शृणुत-
जनजातिबहुलप्रदेशोऽयम्। गारे-खासी-नगा-मिजो-प्रभृतयः बहवः जनजातीयाः अत्र निवसन्ति। शरीरेण ऊर्जस्विनः एतत्प्रादेशिकाः बहुभाषाभिः समन्विताः, पर्वपरम्पराभिः परिपूरिताः, स्वलीला-कलाभिश्च निष्णाताः सन्ति।

मालती

- महोदये! तत्र तु वंशवृक्षा अपि प्राप्यन्ते?

अध्यापिका

- आम्। प्रदेशेऽस्मिन् हस्तशिल्पानां बाहुल्यं वर्तते। आवस्त्राभूषणेभ्यः गृहनिर्माणपर्यन्तं प्रायः वंशवृक्षनिर्मितानां वस्तूनाम् उपयोगः क्रियते। यतो हि अत्र वंशवृक्षाणां प्राचुर्यं विद्यते। साम्प्रतं वंशोद्योगोऽयं अन्ताराष्ट्रियख्यातिम् अवाप्तोऽस्ति।

अभिनवः

- भगिनीप्रदेशोऽयं बहाकर्षकः इति प्रतीयते।

सलीमः

- किं भ्रमणाय भगिनीप्रदेशोऽयं समीचीनः?

सर्वे छात्राः

- (उच्चैः) महोदये! आगामिनि अवकाशे वयं तत्रैव गन्तुमिच्छामः।

स्वरा

- भवत्यपि अस्माभिः सार्द्धं चलतु।

अध्यापिका

- रोचते मेऽयं विचारः। एतानि राज्यानि तु भ्रमणार्थं स्वर्गसदृशानि इति।

सप्तभगिन्यः



| | | |
|--|---|-----------------------------|
| बाढम् | - | बहुत अच्छा |
| पठनीयम् | - | पढ़ना चाहिए |
| ज्ञातुम् | - | जानने के लिए |
| कति | - | कितने |
| चतुर्विंशतिः | - | चौबीस |
| पञ्चविंशतिः | - | पचीस |
| भगिनी | - | बहन |
| अष्टाविंशतिः | - | अठाईस |
| केन्द्रशासितप्रदेशाः | - | केन्द्र द्वारा शासित प्रदेश |
| अतिरिच्य | - | अतिरिक्त |
| भवतु | - | अच्छा |
| समवायः | - | समूह |
| प्रथितः | - | प्रसिद्ध |
| प्रतीकात्मकः (प्रतीक+आत्मकः) | - | साङ्केतिक |
| कदाचित् | - | सम्भवतः |
| साम्याद् | - | समानता के कारण |
| उक्तोपाधिना (उक्त+उपाधिना) | - | कही गयी उपाधि से/के कारण |
| नाम्नि | - | नाम में |
| संशयः | - | सन्देह |

| | |
|---|--|
| अपरतः | - दूसरी ओर |
| क्षेत्रपरिमाणः | - क्षेत्रफल से |
| लघूनि | - छोटे |
| गुणगौरवदृष्ट्या | - गुण एवं गौरव की दृष्टि से |
| बृहत्तराणि | - बड़े |
| स्वाधीनाः (स्व+अधीनाः) | - स्वतन्त्र |
| स्वायत्तीकृताः | - अपने अधीन किये गये |
| महत्त्वाधायिनी (महत्त्व+आधायिनी) | - महत्त्व को रखने वाली, महत्त्वपूर्ण |
| श्रुतमधुरशब्दः | - सुनने में मधुर शब्द |
| प्रभृतिभिः | - आदि से |
| विहितम् | - विधिपूर्वक किया गया |
| प्राकृतिकसम्पद्धिः | - प्राकृतिक सम्पदाओं से |
| सुसमृद्धानि | - बहुत समृद्ध |
| भारतवृक्षे | - भारत रूपी वृक्ष में/पर |
| पुष्पस्तबकसदृशानि | - पुष्प के गुच्छे के समान |
| हृद्या | - प्रिय (हृदय को प्रिय लगाने वाली) मनोरम |
| रम्या | - रमणीय |
| सावहितमनसा | - सावधान मन से |
| ऊर्जस्विनः | - ऊर्जा युक्त |
| पर्वपरम्पराभिः | - पर्वों की परम्परा से |
| परिपूरिताः | - पूर्ण, भरे-पूरे |
| समभिनन्दनीयम् | - स्वागत योग्य |

सप्तभगिन्यः

| | |
|----------------------------------|---------------------------------|
| समीचीनः | - बहुत अच्छा |
| स्वलीलाकलाभिः | - अपनी क्रिया एवं कलाओं से |
| निष्णाताः | - पारद्धत, निपुण |
| वंशवृक्षनिर्मितानाम् | - बाँस के वृक्षों से निर्मित |
| अवाप्तः | - प्राप्त |
| बह्वाकर्षकः (बहु+आकर्षकः) | - अत्यन्त आकर्षक/अत्यधिक आकर्षक |

अभ्यासः



1. उच्चारणं कुरुत-

| | | |
|-----------------|--------------------|------------------------|
| सुप्रभातम् | महत्त्वाधायिनी | पर्वपरम्पराभिः |
| चतुर्विंशतिः | द्विसप्ततितमे | वंशवृक्षनिर्मितानाम् |
| सप्तभगिन्यः | प्राकृतिकसम्पद्दिः | वंशोद्योगोऽयम् |
| गुणगैरवदृष्ट्या | पुष्पस्तबकसदृशानि | अन्ताराष्ट्रियख्यातिम् |

2. प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत-

- (क) अस्माकं देशे कति राज्यानि सन्ति?
- (ख) प्राचीनेतिहासे काः स्वाधीनाः आसन्?
- (ग) केषां समवायः ‘सप्तभगिन्यः’ इति कथ्यते?
- (घ) अस्माकं देशे कति केन्द्रशासितप्रदेशाः सन्ति?
- (ङ) सप्तभगिनी-प्रदेशे कः उद्योगः सर्वप्रमुखः?

3. पूर्णवाक्येन उत्तराणि लिखत-

- (क) भगिनीसप्तके कानि राज्यानि सन्ति?
- (ख) इमानि राज्यानि सप्तभगिन्यः इति किमर्थं कथ्यन्ते?
- (ग) सप्तभगिनी -प्रदेशे के निवसन्ति?



(घ) एतत्प्रादेशिकाः कैः निष्णाताः सन्ति?

(ङ) वंशवृक्षवस्तुनाम् उपयोगः कुत्रि क्रियते?

4. रेखाङ्कितपदमाधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत-

(क) वयं स्वदेशस्य राज्यानां विषये ज्ञातुमिच्छामि?

(ख) सप्तभगिन्यः प्राचीनेतिहासे प्रायः स्वाधीनाः एव दृष्टाः?

(ग) प्रदेशोऽस्मिन् हस्तशिल्पानां बाहुल्यं वर्तते?

(घ) एतानि राज्यानि तु भ्रमणार्थं स्वर्गसदूशानि?

5. यथानिर्देशमुत्तरत-

(क) 'महोदये! मे भगिनी कथयति'- अत्र 'मे' इति सर्वनामपदं कस्यै प्रयुक्तम्?

(ख) समाजिक-सांस्कृतिकपरिदृश्यानां साम्याद् इमानि उक्तोपाधिना प्रथितानि- अस्मिन् वाक्ये प्रथितानि इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?

(ग) एतेषां राज्यानां पुनः सङ्घटनम् विहितम् - अत्र 'सङ्घटनम्' इति कर्तृपदस्य क्रियापदं किम्?

(घ) अत्र वंशवृक्षानां प्राचुर्यम् विद्यते - अस्मात् वाक्यात् 'अल्पता' इति पदस्य विपरीतार्थकं पदं चित्वा लिखत?

(ङ) 'क्षेत्रपरिमाणैः इमानि लघूनि वर्तन्ते' - वाक्यात् 'सन्ति' इति क्रियापदस्य समानार्थकपदं चित्वा लिखत?

6. (अ) पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत-

तद्भव-पदानि

संस्कृत-पदानि

यथा-सात

सप्त

बहिन

.....

संगठन

.....

बाँस

.....

सप्तभगिन्यः

आज
खेत

(आ) भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत-

- (क) गच्छति, पठति, धावति, अहसत्, क्रीडति।
- (ख) छात्रः, सेवकः, शिक्षकः, लेखिका, क्रीडकः।
- (ग) पत्रम्, मित्रम्, पुष्पम्, आप्रः, फलम्।
- (घ) व्याघ्रः, भल्लूकः, गजः, कपोतः, शाखा, वृषभः, सिंहः।
- (ङ) पृथिवी, वसुन्धरा, धरित्री, यानम्, वसुधा।

7. विशेष्य-विशेषणानाम् उचितं मेलनम् कुरुत-

विशेषण-पदानि

अयम्

संस्कृतविशिष्टायाम्

महत्त्वाधायिनी

प्राचीने

एकः

विशेष्य-पदानि

संस्कृतिः

इतिहासे

प्रदेशः

समवायः

भारतभूमौ

योग्यता-विस्तारः

* अद्वयं मत्रयं चैव न-त्रि-युक्तं तथा द्वयम्।

सप्तराज्यसमूहोऽयं भगिनीसप्तकं मतम्॥

यह राज्यों के नामों को याद रखने का एक सरल तरीका है। इसका अर्थ है अ से आरम्भ होने वाले दो, म से आरम्भ होने वाले तीन, न से नगालैण्ड और त्रि से त्रिपुरा का बोध होता है। इसी प्रकार अठारह पुराणों के नाम याद रखने के लिये यह श्लोक प्रसिद्ध है-



मद्वयं भद्रयं चैव ब्रत्रयं वचतुष्टयम्।
अ-ना-प-लिंग-कूस्कानि पुराणानि प्रचक्षते॥

- * 'सप्तभगिनी' इस उपनाम का सर्वप्रथम प्रयोग 1972 में श्री ज्योति प्रसाद सैकिया ने आकाशवाणी के साथ भेंटवार्ता के कार्यक्रम में किया था।
- * इनके अन्तर्गत आने वाले राज्यों का उल्लेख प्राचीन ग्रन्थों में भी प्राप्त होता है यथा-महाभारत, रामायण, पुराण आदि।
- * इन राज्यों की राजधानी क्रमशः इस प्रकार है-

| | | |
|----------------|---|----------|
| अरुणाचल प्रदेश | - | ईटानगर |
| असम | - | दिसपुर |
| मणिपुर | - | इम्फाल |
| मिजोरम | - | ऐजोल |
| मेघालय | - | शिलाङ्ग |
| नगालैण्ड | - | कोहिमा |
| त्रिपुरा | - | अगरतल्ला |

- * बिहू, मणिपुरी, नानक्रम आदि इस प्रदेश के प्रमुख नृत्य हैं।
- * नगा, मिजो, खासी, असमी, बांग्ला, पदम, बोडो, गारो, जयन्तिया आदि यहाँ की प्रमुख भाषाएँ हैं।

सप्तसंख्या पर कुछ अन्य प्रचलित नाम हैं-

सप्तसिन्धु - 'सप्तभगिनी' के समान सप्तसिन्धु भी हैं। ये सप्तसिन्धु हैं-सिन्धु, शुतुद्री (सतलज), झावती (झावदी), वितस्ता (झेलम), विपाशा (ब्यास), असिक्नी (चिनाब) और सरस्वती।

सप्तपर्वत - महेन्द्र, मलय, हिमवान्, अर्बुद, विन्ध्य, सह्याद्रि, श्रीशैल।

सप्तर्षि - मरीचि, पुलस्त्य, अंगिरा, क्रतु, अत्रि, पुलह, वसिष्ठ।



कृष्णनाथ की पुस्तक अरुणाचल यात्रा (वागदेवी प्रकाशन, बीकानेर 2002) पठनीय है।

परियोजना-कार्यम्

पाठ में स्थित अद्वय वाली पहली से सातों राज्यों के नाम को समझो। इसी प्रकार अठारह पुराणों के नामों को भी प्रदत्त श्लोक द्वारा समझों एवं अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से लिखो।



not to be republished